समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• मार्च २०१७ • वर्ष ६८ • अंक ०३
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री सीताराम शर्मा, श्री रामअवतार पोद्दार, श्री संतोष सराफ, श्री शिव कुमार लोहिया, श्री संजय हरलालका, श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, श्री पवन जालान, श्री मनोज जैन, श्री गौरीशंकर अग्रवाल, श्री राज कुमार गुप्ता, श्री श्यामलाल डोकानिया, श्री प्रेम सुरेलिया, श्री अनिल पोद्दार, श्री ओम प्रकाश अग्रवाल आदि परिलक्षित हैं।

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा के साथ श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री संतोष सराफ, श्री ओंकारमल अगरवाला, श्री शिव कुमार लोहिया, श्री संजय हरलालका, श्री पन्नालाल बैद, श्री विष्णु मित्तल एवं अन्य गणमान्य दिल्ली सम्मेलन के प्रांतीय अधिवेशन सह प्रतिभा सम्मान समारोह के अवसर पर।

इस अंक में :

- अध्यक्षीय - प्रेम एवं भाईचारे का त्यौहार होली
- सम्पादकीय - होली की शुभकामनाएँ
- कार्यकारिणी समिति की बैठक - रपट
- दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का प्रांतीय अधिवेशन - रपट
- होली पर मुक्तहस्त उपाधि वितरण
- होली पर विशेष - आज बिरज में होली रे रसिया
- प्रांतीय समाचार

www.forcenxt.com

FORCE NXT

INNER FASHION

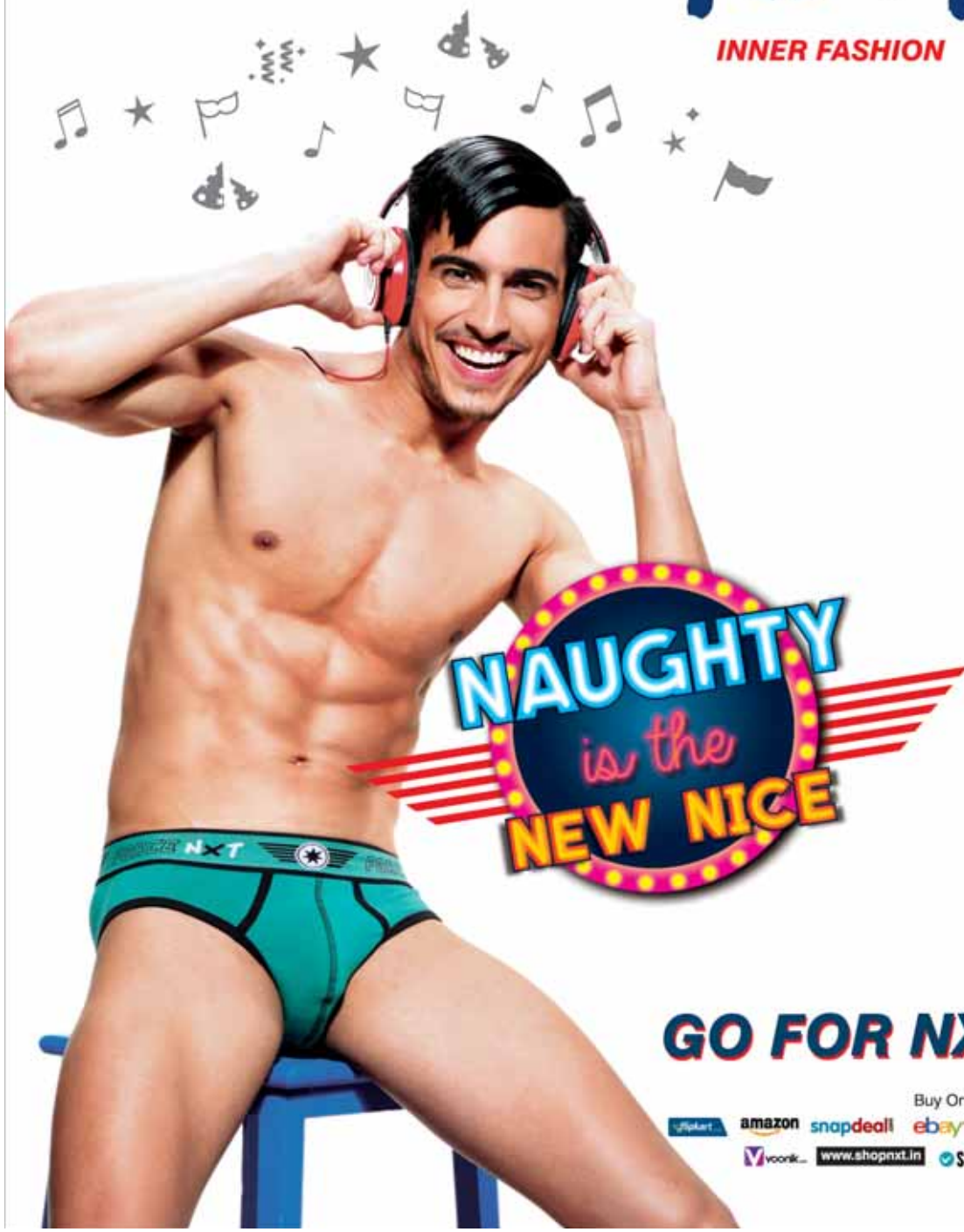

GO FOR NXT

Buy Online from

flipkart amazon snapdeal ebay paytm

voonik www.shopnxt.in SHOPCLUES

समाज विकास

◆ मार्च २०१७ ◆ वर्ष ७० ◆ अंक ०३
◆ एक प्रति - ₹ १० ◆ वार्षिक - ₹ १००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
• **सम्पादकीय : सन्तोष सराफ** होली की शुभकामनाएँ	३
• **चिट्ठी आई है**	४
• **अध्यक्षीय : प्रह्लाद राय अगरवाला**	५
• **कार्यकारिणी समिति की बैठक - रपट**	७
• **दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन**	९
• **प्रान्तीय समाचार**	११
• **सम्मेलन की सदस्यता निर्देशिका**	१२
• **लेख : शिव कुमार लोहिया** आज बिरज में होली रे रसिया	१४
• **छत्तीसगढ़ - राष्ट्रीय पदाधिकारियों का दौरा**	१७
• **होली की उपाधियाँ**	२१

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित

प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : संतोष सराफ
सम्पादकीय सहयोग : शिव कुमार लोहिया, संजय हरलालका एवं भंवरमल जैसनसरिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादकीय

होली की शुभकामनाएँ!

– सन्तोष सराफ

समाज विकास का होलिकांक प्रस्तुत है। होली के अवसर पर विशेष रचनाएँ समाहित की गई हैं। होली भारतीय संस्कृति का अनोखा, अलबेला त्यौहार है। रंग का चंग, भंग की तरंग, उत्साह एवं उमंग से सराबोर इसके मस्ती एवं आनंद में डूब के नर-नारी पूरे देश में इस त्यौहार को मनाते हैं। राधाकृष्ण की होली का अपना अलग अंदाज है। होली का यह मौलिक स्वरूप है। इसमें हमारी सांस्कृतिक विचारधाराएँ रची-बसी हैं। राधा के साथ जब कृष्ण के अलौकिक प्रेम की रसधार बहती है, तो वह होली का रूप लेती है। कवि के शब्दो में –

होली राधा श्याम की और न होली कोय
जो मन रांचे श्याम रंग, रंग चढ़े न कोय

इस संबंध में अनेक छवियाँ हमारे लोकमानस मे पुश्त दर पुश्त अंकित हैं। यह विशुद्ध होली है। हृदय की गहराई से भाव प्रस्फुटित होकर जब शालीनता से अभिव्यक्ति का स्वरूप लेते हैं, तो राधा-कृष्ण की होली को स्वर मिल जाता है। इन्हीं सुरों को शब्दरूप में सजाया है हमारे संतो ने, हमारे साहित्यकारों ने। ब्रज की होली के नाम से विश्वविख्यात होली से आपका परिचय होगा रचना 'आज बिरज में होली रे रसिया' में। होली के विशुद्ध स्वरूप में अनेक अपभ्रंश जुड़ गये हैं। इस कारण बहुत से लोग होली से कतराने लगे हैं। शारीरिक धरातल की जगह होली मानवीय संवेदनाओं के धरातल पर मनाये जाने वाला पर्व है। उसमें निहित शालीनता, आत्मीयता की सम्प्रेषणता इस पर्व की विशेषता है।

होली के अवसर पर विभिन्न प्रकार के समारोह प्रांतीय स्तर पर सभी प्रांतो में मनाये जाने की परम्परा रही है। सभी प्रांतीय अधिकारियो से नम्र निवेदन है कि इन समारोहों का फोटो सहित समाचार भिजवाने की कृपा करे, ताकि उन्हें एक साथ एक ही अंक में प्रकाशित किया जा सके।

आशा है आप सभी इस पर्व का भरपूर आनंद उठायेंगे एवं पारम्परिक ढंग से इसका पालन करेंगे। मौज-मस्ती के इस पावन-पर्व पर प्रेम एवं भाईचारे का संदेश हम पूरे राष्ट्र में फैलाएँ। साथ ही साथ अपने जीवन मे उतारें। होली के शुभ अवसर पर सभी पाठकों को आंतरिक शुभकामनाएँ। ★ ★ ★

आळस शरणम्

— रामजीलाल घडेला 'भारती'

(अेक)

अेकर अेक राजा अणूतो आळसी अर काठोई अघोरी हो। अणरी इण आदत मुजब कोई काम टैम माथै पार नीं पड़तो। उणरी रैयत मांय ही आळसी आदम्यां री जमात री जमात ही। अेकर राजा नै विचार आयो कै देस रै सगळा आळसी आदम्यां नै अेक ठोड़ भैळा कर्‌या जावै। जको सगळां सूं घणो आळसी हुयसी उणनै सिरौपाव (मान-सम्मान) दियो ज्यासी।

घोषाणमुजब अेक नियत तिथि नै राज रा सगळां आळसी मिनस्व अेक मोटी सभा मांय भेळा हुया। जाणै आळसी आदम्यां रो मेळौ मंडियो हुवै। राजा आपरी आदत मुजब सभा मांय माड़ौ पूग्यो उण सगळा सभासदां नै सम्बोधित करतां थकां कैयो - आप अगळा अेक दूजै सूं आगळा आळसी दीखौ। अबै थारै मांय सूं जको घणो आळसी है बो आपरौ हाथ ऊंचो करो।

आज आळसयां री परख हुय जाणी ही। भरी सभा मांय अेक आदमी नै टाळ सगळा ही आपरो हाथ कैवण रै समचै ही ज ऊंचो कर दीनों। राजा जी हाथ माथै हाथ मैल्यां बैठ्या उण आदमी नै बकारतां थकां कैयो - क्यूं रै थूं हाथ ऊंचो क्यूं नीं कियौ। बौ बोल्यो - अन्नदाता। अठै तांई पूगग्यो जको ई घणो समझो। अबै हाथ ऊंचो करणै री सिरधा म्हारी तो कोनी।

राजा नै असली आळसी री पिछाण हुयगी। उणा उणनै घणों मान सम्मान देय'र घरां पूगवायो।

(दो)

अेक आदमी घणो ईज आळसी। काम धंधो करणो तो उणरी जनम-पत्री मांय कोनी लिख्यौड़ो हो। निरो धान रो कोठळियो। जीवण रूपी गाडो राम भरोसे ही हो। 'जीवो क्यों! कै मौत कोनी आवै। मरिया कींकर? कै सांस कोनी आयो।' अेक दिन बो खोड़ मांय अेक बोरड़ी री छियां सूत्यौ हो। हवा रै अेक लैरकै सूं बोरड़ी रा केई बोरियानीचै गिरिया। उणां मांय सूं अेक बोर ठीक उणरी छाती माथै आय पड्यो। उण आळसी आदमी सूं उवो बोर हाथ मांय लेय'र मुंडा मांय नीं घालीजै।

कोई मारगू उठी नै सूं निकळतो तो वो उणनै 'ऊं ऊं' कैय नै बोर मुडै मांय घालण सो इसारो करतो। पण किणी उण कानी ध्यान नीं दियो। उण सूं थोड़ी ई दूरी माथै अेक और आळसी पड्यो हो। तावड़ै री लाय मांय उणरा हाल खराब हा। बोरड़ी नीचै सूत्यो आळसी उण सूं बोल्यो - 'लोग ही कितरा हरामी है, इतरा जणां नै ओ बोर म्हारै मुंडा मांय घालण रो इसारो कियो, पण कोई ध्यान ई कोनी देवै।'

दूजोड़ौ आळसी बोल्यो - 'चोखौ समझ बोरड़ी री ठंडी छियां मांय तो सूत्यो है। म्हैं तो कैय-कैय नै आंती आयग्यो, पण `ई इरामी म्हनैं ठिरइनै बोरड़ी री छियां मांय ई कोनी न्हाखै।'

[आभार - चन्द्र साहित्य प्रकाशन
लूणकरणसर - ३३४६०३ (राज.)]

चिट्ठी आई है

दिशा निर्देश एवं अच्छे विचार

'समाज विकास' पत्रिका का नववर्ष जनवरी का अंक प्राप्त हुआ। सम्मेलन के ८२वें स्थापना दिवस पर श्रद्धेय राज्यपाल कोविंद द्वारा 'हमें अपने मिट्टी के कर्ज को नहीं भूलना चाहिये' बिषय पर अपने उत्तम विचारों से समाज में एक अलग सी स्फूर्ति, जोश एवं आदर्श का उदाहरण प्रस्तुत होता है। जीवन के कुछ सच ऐसे हैं, जो शाश्वत हैं, स्वाभाविक रूप से बार-बार हमारे जीवन में घटित होते हैं, विभिन्न रूपों में अलग-अलग तरीके से हमारे सामने आते हैं। हमें दिशानिर्देश देते हैं एवं उससे समाज में एक सुन्दर एवं व्यवस्थित वातावरण तैयार होता है। "संगठन में ही शक्ति है" अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने वड़े ही सुन्दर ढंग से समाज को अपने विचार दिये है। संपूर्ण राष्ट्र में अपने समाज की गरिमा, प्रतिष्ठा बृहत रूप में फैली हुई है। समय-समय पर अपने सम्मेलन के पदाधिकारियों द्वारा उन्नत विचारों का समावेश किया जाता है। संपादक श्रद्धेय संतोष सराफ द्वारा दिये गये विचार - "निर्णय हमें खुद करना है" बड़े ही मार्मिक एवं अनुकरणीय हैं। स्वामी विवेकानंद एवं सुभाष चन्द्र बोस ऐसे महान देशभक्त जिन्होंने समाज में ऐसे व्यक्ति जो बहुत ही निर्धन हैं, जिन्हें देश के प्रति अपने कर्त्तव्य एवं देशहित की भावना भरपूर है - समाज में फैली अपव्यय राशि धार्मिक आयोजनों पर विचार प्रदर्शन, फिजूलखर्ची से कमजोर वर्ग के लोग कितने मर्माहत होते हैं, समाज को बहुत ही बारीकी से सोचना है। पूजाघर में घी के दीये जलाने की जगह सुनसान गलियों में तेल का दीया जलाकर रख देने से राही को सही रास्ता एवं सही दिशा की जानकारी प्राप्त होती है। समय-समय पर 'समाज-विकास' पत्रिका द्वारा विद्वानों, विचारकों द्वारा दिये गये उन्नत विचारों से निकट भविष्य में अपने समाज की आत्मनिर्भरता का ज्ञान निश्चित रूप में प्राप्त होगा, ऐसा विश्वास है।

– सत्यनारायण तुलस्यान
मुजफ्फरपुर (बिहार)

याद घणा आवे

होळी री उमंग
ठंडाई री तरंग
भांग री गोळी
गेरीया री टोळी...याद घणा आवे है।
बाजता चंग
कोढ़ियो रंग
देसी धमाल
उड़तो गुलाल...याद घणा आवे है।
सेक्योड़ा बीज
खीचड़े वाळी आखातीज
चिकणी माटी रा घड़ा
मोठाँ री दाळ रा बड़ा...याद घणा आवे है।
कच्ची ईन्टा री साळ
गायां रा गिवाळ
ऊँटा री पलाण
कटोड़े किन्ने री ताण...याद घणा आवे है।
ब्याँव रा गीत
तीज त्योहांरा री रीत
मांचे री दावण
राबड़ीरोटी रो सिरावण...याद घणा आवे है।
जागण जम्मे री रात
गिणजोड़े री जात
ऊंठ, बळद रो गाडो
पितरजी रो नाडो...याद घणा आवे है।
डोका वालो खारियो
हरी घास रो भारियो
झाड़कां रा बोर
खेतां म नाचता मोर...याद घणा आवे है।
मूफ़ळी रा गोटा
कुकरिया छोटा छोटा
बळीते रा छाणा
चोणिया मखाणा...याद घणा आवे है।
पिंपळ गट्टे री छायाँ
पोठा चुगती लुगायाँ
नीम री निम्बोळी
चुरण वाळी गोळी...याद घणा आवे है।
दड़ी गेडिये रो खेल
छुक छुक करती रेल
कपड़े रा धोळिया जूता
बास में जीमण रा नूता...याद घणा आवे है।
ब्याँव रे मीठे री हाँत्याँ
पचपन री सब बात्यां
दादा दादी रो दुलार
एका रहतो परिवार...याद घणा आवे है।
आपस रो आणो जाणो
देसी जमानो वो पुराणो
स्कूल रे पेन्सिला रो चोर
हाल तांई भी "किशोर"...याद घणा आवे है।

अध्यक्षीय

प्रेम एवं भाईचारे का त्यौहार होली

– प्रह्लाद राय अगरवाला

मातृशक्ति, युवाशक्ति, भाइयों,

मारवाड़ी समाज देश के अग्रणी समाजों में एक गिना जाता है। हमें इस बात का गर्व है कि देश के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान में इस समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हर क्षेत्र में समाजबंधुओं ने अपना महत्वपूर्ण योगदान किया है। खास बात यह है कि अपेक्षाकृत हम अपने संस्कार को बचाकर रखने में सर्वाधिक सक्षम हुए हैं। हम अपनी खूबियों को बचाने एवं अपनी कमियों को दूर करने के विषय में निरंतर सजग हैं। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन इस क्षेत्र में गत ८१ वर्षों से निरंतर प्रयासरत है। लगभग १० करोड़ समाजबंधुओं की आकांक्षाओं को आवाज देने एवं उन्हें एक सूत्र में पिरोकर साथ लाना हमारा लक्ष्य है।

समस्यायें पहले भी थीं, आज भी हैं, हो सकता है भविष्य में भी रहें। पर परिप्रेक्ष्य बदल जाते हैं। बीसवीं सदी में हमारे समाज ने जो प्रगति की है, उसका लाभ आज की पीढ़ी उठा रही है। हमारे मौलिक मूल्य, जो हमें हमारे पूर्वजों से अमानत के तौर पर मिले हैं, उन्हें हमारी नई पीढ़ी को परिमार्जित करके सौंपना है। हमारी युवा पीढ़ी बौद्धिक रूप से अत्यंत प्रगतिशील है। अत्यधिक प्रगति के साथ जो सामाजिक समस्याएँ पनपती हैं उनका हम हमारे संस्कारों से जुड़े रहकर ही सामना कर सकते हैं। कवि के शब्दों -

सोच को बदलो, सितारे बदल जायेंगे
नजर बदलो, नजारे बदल जायेंगे
कश्ती बदलने से क्या फायदा
दिशा बदलो किनारे बदल जायेंगे।

होली का अवसर है। होली हमारे संस्कृति का प्रमुख त्यौहार है। बुराई पर अच्छाई के विजय का पर्व है होली। भारतीय परम्परा के अनुसार होली प्रेम एवं भाईचारे का संदेश देता है। इस पर्व पर हम अपने राग-द्वेष, गिले-शिकवे भुलाकर आपसी प्रेम एवं सौहार्द की भावना से भर जाते हैं। राजस्थान एवं हरियाणा में होली मनाने का अपना एक अलग अंदाज है। खुशी की बात है कि देश के कोने-कोने में बसे समाजबंधु इसी खास अंदाज में पर्व का आनंद उठाते हैं। होली के इस अवसर पर आप सभी को मैं अपनी रंग-रंगीली हार्दिक शुभकामना प्रेषित करता हूँ। आशा करता हूँ कि पूरे वर्ष आपका जीवन आनंद एवं उल्लास के विभिन्न रंगों से रँगा रहेगा।

जय समाज, जय राष्ट्र! ★★★

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

संगठन-विस्तार संतोषजनक, किन्तु प्रयासों को और गति की जरूरत : प्रह्लाद राय अगरवाला

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक गत ०४ फरवरी २०१७ को सम्मेलन कार्यालय सभागार, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता में राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** की अध्यक्षता में आयोजित की गयी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने सभी उपस्थितों, विशेषकर कोलकाता के बाहर से पधारे सदस्यों, का स्वागत किया। सम्मेलन के वर्तमान कार्यक्रमों के विषय में संक्षेप में बताते हुए श्री अगरवाला ने संगठन-विस्तार के क्षेत्र में हुई प्रगति पर संतोष जताया। संगठनात्मक विस्तार हेतु बिहार, झारखंड, उत्कल और पूर्वोत्तर की प्रादेशिक शाखाओं द्वारा सक्रिय कदमों की भी उन्होंने सराहना की। श्री अगरवाला ने उपस्थित सदस्यों से संगठन-विस्तार में सक्रिय सहयोग एवं समाज एवं सम्मेलन की प्रगति हेतु अपने विचार और सलाह देने का अनुरोध किया।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने संगठन-विस्तार हेतु प्रयासों और उनसे मिली सफलता को प्रशंसायोग्य बताया। उन्होंने रोजगार-सहायता और वैवाहिक परिचय कार्यक्रमों को भी सुसामयिक बताया। श्री शर्मा ने कहा कि विघटित प्रांतीय शाखाओं के पुनर्गठन हेतु शीघ्र कारगर कदम उठाये जाने चाहिए। छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नये पदाधिकारियों के चुनाव एवं आगामी अधिवेशन बुलाने के लिए गठित तदर्थ समिति के विषय में चर्चा करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि तदर्थ समिति में छत्तीसगढ़ प्रान्त के पूर्व अध्यक्षों एवं वरिष्ठ सदस्यों का समुचित प्रतिनिधित्व होना चाहिए। विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि तदर्थ समिति का पुनर्गठन किया जाय।

बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक (३ सितम्बर २०१६; कोलकाता) का कार्यवृत सर्वसम्मति से पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन के कार्य-कलापों पर रपट प्रस्तुत की। श्री लोहिया ने बताया कि विभिन्न बैठकों में पूरे राष्ट्र के सम्मेलन के सभी आजीवन सदस्यों को सदस्यता प्रमाणपत्र और पहचान पत्र देने के विषय में प्रांतीय शाखाओं से प्रस्ताव आते रहे हैं किन्तु इस विषय पर अब तक कोई निर्णय नहीं हो पाया है।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने सदस्यों को प्रमाणपत्र निर्गत किए जाने की पृष्ठभूमि एवं प्रक्रिया के विषय में विस्तार से बताया। विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि इसकी प्रक्रिया एवं व्ययवहन आदि के विषय में निर्णय प्रांतीय शाखाओं से विचार-विमर्श एवं समन्वय के पश्चात लिया जाये।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी** ने सम्मेलन की आर्थिक स्थिति पर संक्षिप्त रपट प्रस्तुत की। उन्होंने उपस्थित सदस्यों से समाज विकास में विज्ञापन सहयोग का भी अनुरोध किया। श्री तोदी ने बताया कि चैतन सेट स्ट्रीट, कोलकाता स्थित एक्सिस बैंक में सम्मेलन का एक बचत खाता है और सम्मेलन के पास अन्य कई खाते उपलब्ध होने की वजह से इस खाते का बहुत कम प्रयोग होता है। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि यह खाता बंद कर दिया जाय। इस संबंध में एक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री मधुसूदन सीकरिया** ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों के पूर्वोत्तर दौरे का अनुरोध किया। पूर्वोत्तर सम्मेलन के महामंत्री **श्री प्रमोद तिवाड़ी** ने पूर्वोत्तर सम्मेलन की गतिविधियों के विषय में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर की तीन शाखाओं - पाठशाला, शिलाँग एवं रंगामाटी ने प्रत्येक स्थानीय मारवाड़ी परिवार से कम से कम एक सदस्य बनाने की उपलब्धि हासिल की है। श्री तिवाड़ी ने पूर्वोत्तर में उग्र क्षेत्रीयता के विषय में भी बताया और कहा कि पूर्वोत्तर सम्मेलन समरसता का हर प्रयास करता है।

बलांगीर से पधारे **श्री गौरीशंकर अग्रवाल** ने कहा कि निजी अस्पतालों से सम्पर्क कर जरूरतमंद समाजबंधुओं के

उपचार में कुछ रियायत प्राप्त करने का प्रयास होना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि सम्मेलन की प्रत्येक शाखा को केन्द्रीय सम्मेलन की निर्देशिका की प्रति भेजी जाय। राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने बताया कि सम्मेलन की नई निर्देशिका के प्रकाशन पर कार्य प्रारम्भ हो गया है और प्रांतीय शाखाओं से समन्वय कर प्रत्येक शाखा को निर्देशिका भेजने के सम्बंध में निर्णय लिया जाएगा।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान महामंत्री **श्री मनोज जैन** ने उत्कल सम्मेलन के गतिविधियों के विषय में जानकारी दी।

बैठक में विशिष्ट आमंत्रित **श्री सुभाष चन्द हाडा** ने कहा कि सम्मेलन के प्रति लोगों की भावना अच्छी है और सम्मेलन के प्रयत्नों के अच्छे परिणाम निकल रहे हैं। देश और समाज की सुरक्षा को उन्होंने सर्वोपरि बताया।

श्री राज कुमार गुप्ता ने कहा कि सम्मेलन के समारोहों के आयोजन हेतु वे अपने, पार्क प्लाजा होटल आदि, प्रतिष्ठानों के माध्यम से सहयोग प्रदान कर सकते हैं। इस प्रस्ताव का करतल ध्वनि से स्वागत करते हुए बैठक ने श्री गुप्ता को हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। **श्री मदनलाल बमलवा** ने धार्मिक, सामाजिक, वैवाहिक आयोजनों में बढ़ते आडम्बर की चर्चा की और इस विषय को समाज विकास में निरंतर उठाते रहने का सुझाव दिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने बताया कि सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री सुरेन्द्र लाठ** (ओडिशा) को पक्षाघात हो गया था किन्तु अब उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। सभी उपस्थितों ने श्री लाठ के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुभकामना की।

बैठक के अंत में, धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने प्रस्तावित चिकित्सा सहायता कोष पर चर्चा की एवं इस कोष के निवेश की बारीकियों पर प्रकाश डाला। बैठक में राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका**, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्रीद्वय **श्री दामोदर प्र. बिदावतका** एवं **श्री दिनेश जैन, सर्वश्री भानीराम सुरेका, सुभाष मुरारका, प्रेमचन्द सुरेलिया, नंद किशोर अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, श्याम लाल डोकानिया, पवन जालान, गोविन्द प्र. केजरीवाल, अनिल कुमार पोद्दार, दिनेश कुमार जैन, नंदलाल सिंघानिया, सुरेश अग्रवाल, सुन्दर अग्रवाल** आदि उपस्थित थे।

मारवाड़ी समाज का राष्ट्र की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान : विष्णु मित्तल

दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के कोषाध्यक्ष **श्री विष्णु मित्तल** ने कहा कि मारवाड़ी समाज सदैव ही राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं उन्नतिशील राष्ट्र निर्माण में सहभागी रहा है। यह समाज राष्ट्र की आर्थिक उन्नति के साथ समग्र विकास के लिए निरन्तर प्रयासरत रहता है। इसमें मारवाड़ी सम्मेलन जैसी संस्थाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। श्री मित्तल गत १३ फरवरी २०१७ को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अधिवेशन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए बोल रहे थे।

हिन्दी भवन के भव्य ऑडिटोरियम में आयोजित इस समारोह का उद्घाटन करते हुए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने कहा कि दुनिया भर के लोगों में राजस्थान की सतरंगी संस्कृति, शौर्य एवं वीरता, बहुरंगी आभा तथा स्थापत्य-शिल्प, खान-पान, पहनावा एवं लोक गीतों का ऐसा सम्मोहन है कि उसके आकर्षण में लोग बँध जाते हैं। सुदूर क्षेत्रों में भी मारवाड़ी समाज ने अपनी इन्हीं विशेषताओं के कारण अपनी एक विशेष पहचान बनायी है। इस अवसर पर श्री अगरवाला ने दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष **श्री राजकुमार मिश्रा** को शपथग्रहण कराया एवं निवर्तमान अध्यक्ष **श्री पवन गोयनका** के उल्लेखनीय कार्यकाल के लिए उन्हें बधाई दी।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** ने दिल्ली सम्मेलन की उल्लेखनीय उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि मारवाड़ी समाज दिल्ली और एनसीआर में अपनी जनकल्याणकारी, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए तत्पर है। इस समाज के लोगों ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के जरिये हर क्षेत्र में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की प्रगति की चर्चा करते हुए कहा कि बहुत कम समय में इस प्रादेशिक शाखा ने अपनी रचनात्मक एवं सृजनात्मक उपस्थिति के माध्यम से एक पहचान बनायी है।

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नये अध्यक्ष श्री राजकुमार मिश्रा का पदस्थापन करते हुए निवर्तमान अध्यक्ष।

समारोह में समाज के प्रतिभावान बच्चों एवं विशिष्ट प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया एवं **श्री प्रमोद कुमार टिबड़ेवाल** के संपादन में प्रकाशित **समाज दर्पण** के विशेषांक का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ**, राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिवकुमार लोहिया**, राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय कुमार हरलालका**, प्रसिद्ध समाजसेवी **श्री रामावतार किला, श्री विनोद किला, श्री वसंत कुमार पोद्दार, श्री बाबूलाल दुगड़, श्री ललित गर्ग, श्री मन्नालाल बैद, श्री श्यामसुंदर चमड़िया**, युवा अग्रवाल के संपादक **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल**, **श्री प्रमोद कुमार गोयनका** आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा ने अपने भावी कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए कहा कि समाज में व्याप्त आडम्बरों एवं अनावश्यक वैभव- प्रदर्शन को नियंत्रित करने की दृष्टि से जन-जागृति लाई जाएगी। उन्होंने जन्म, विवाह एवं अन्य पारिवारिक अवसरों पर होने वाले फिजूलखर्ची एवं आडम्बरों को रोकने के लिए सार्थक प्रयत्न करने एवं ई-कार्ड के प्रचलन को बढ़ावा देने का संकल्प व्यक्त किया और इसके लिए समाज से सहयोग की अपील की। श्री मिश्रा ने समाज को एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि निश्चित ही इसके सकारात्मक परिणाम आयेंगे। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज ने अनेक क्षेत्रों में सफलता हासिल की है, लेकिन यह राजनीति के क्षेत्र में पीछे है। समाज को एकजुटता के साथ इस क्षेत्र में आगे आना चाहिए। पूर्व अध्यक्ष **श्री पन्नालाल बैद** ने संस्था के दिल्ली में कार्यालय स्थापना के लिए बल दिया और कहा कि सशक्त कार्यालय के माध्यम से ही सम्मेलन अपनी गतिविधियों को नियोजित एवं प्रभावी ढंग से संचालित कर सकेगा।

श्री पवन गोयनका ने मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा संचालित की गयी विविध सांस्कृतिक, सामाजिक और संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी देते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में गाजियाबाद, उत्तरी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली एवं फरीदाबाद की शाखाएँ गठित की गई और शीघ्र ही गुड़गांव एवं नोएडा में भी शाखाएँ गठित की जायेंगी। उन्होंने संगठन-विस्तार अभियान की जानकारी भी दी।

कार्यक्रम का संयोजन **श्री प्रमोद घोड़ावत** ने किया। श्री राकेश चिंडालिया और उनकी मंडली ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम की संपूर्ण संयोजना **श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया** के नेतृत्व में प्रभावी एवं यादगार बनी।

प्रांतीय समाचार : झारखंड

कोल्हान प्रमण्डलीय अधिवेशन सम्पन्न

झारखंड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन के कोल्हान प्रमण्डल का प्रमण्डलीय अधिवेशन रविवार, २६ फरवरी २०१७ को जमशेदपुर स्थित श्री अग्रसेन भवन मे सम्पन्न हुआ। प्रान्तीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विनय सरावगी, पूर्व अध्यक्ष श्री राजकुमार केड़िया महामंत्री श्री बसंत मित्तल उपाध्याय श्री रतनलाल बंका, श्री ओमप्रकाश प्रणव, प्रमण्डलीय उपाध्यक्ष श्री निर्मल काबरा, मंत्री श्री संतोष अग्रवाल, उदिन वाणीके संपादक सह प्रबन्धन निदेशक श्री राधेश्याम अग्रवाल, जिलाध्यक्ष श्री उमेश शाह, श्री राजकुमार मूंदड़ा, श्री प्रदीप चौधरी, श्री भंवरलाल खंडेलवाल, श्री उमेश कांवंटिया, श्री अशोक मोदी, श्री विजय खेमका, श्री बजरंगलाल अग्रवाल, महिला समिति की श्रीमती रानी अग्रवाल सहित राँची, जमशेदपुर, सरायकेला,

चाईबासा से बड़ी संख्या में सदस्यों की सहभागिता रही एवं समाज के व्यापाक हित में चर्चा हुई तथा समाज की एकता एवं समाज विकास के लिए कई अहम निर्णय लिये।

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

गुवाहाटी महिला शाखा द्वारा रक्तदान शिविर

मारवाड़ी सम्मेलन की गुवाहाटी महिला शाखा ने आठगांव, गुवाहाटी स्थित मारवाड़ी हॉस्पिटल में रक्तदान का कार्यक्रम आयोजित किया। अध्यक्ष सुश्री मंजु पाटनी, मंत्री सुश्री वंदना विहानी, पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक सुश्री सरला काबरा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में सुश्री रिता अग्रवाल, पुष्पा शर्मा, संतोष धानुका एवं उमा शर्मा का उल्लेखनीय सहयोग रहा। श्री ध्यान चंद जैन ने ८८ वीं बार रक्तदान देकर समाज के लोगों के बीच एक उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर श्री संजय केडिया ने रक्तदान के महत्व के बारे में बताया।

शिलांग महिला शाखा द्वारा सामग्री वितरण

मारवाड़ी सम्मेलन, शिलांग की महिला शाखा ने गत २२ फरवरी २०१७ को शांतिवन नंगगोह में २२५ रोगियों के वीच कंबल, चादर, खाना, आदि सामग्री का वितरण किया। उस कार्यक्रम में अध्यक्ष सुश्री रेखा जैन, मनीषा झुनझुनवाला, मंजु बाजोरिया, नीलम बजाज और २० अन्य सदस्याएँ उपस्थित थीं।

समाचार सार

झूंझनू प्रगति संघ

गत ५ मार्च को संघ ने इकबालपुर, कोलकाता स्थित महावीर सेवा सदन भवन में विकलांगों के लिये कृत्रिम अंग-प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में २०० व्यक्तियों का उपचार किया गया। साथ ही साथ ९ मानसिक विकलांग बच्चों को एक वर्ष की अग्रिम सहायता राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर संघ ने महावीर सेवा सदन को ४.७४ लाख का चेक सौंपा। यह समाचार संघ के सचिव श्री नरेन्द्र तुलस्यान ने दिया है।

सम्मेलन की सदस्यता निर्देशिका (डायरेक्टरी) का प्रकाशन

श्री ओमप्रकाश अग्रवाल

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की नयी सदस्यता निर्देशिका का प्रकाशन अति शीघ्र किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने **श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** को निर्देशिका प्रकाशन समिति का चेयरमैन मनोनीत किया है और श्री अग्रवाल संबंधित राष्ट्रीय/प्रांतीय पदाधिकारियों से संपर्क कर आवश्यक सूचनाएँ एकत्रित कर रहे हैं।

श्री लोहिया ने बताया कि **१५ अप्रैल २०१७** तक प्राप्त सूचनाओं के आधार पर निर्देशिका को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रांतीय पदाधिकारियों एवं प्रांतीय कार्यकारिणी समिति के सदस्यों, राष्ट्रीय कार्यकारिणी/स्थायी समिति के सदस्यों, विशिष्ट संरक्षक सदस्यों, से अनुरोध है कि निम्न प्रपत्र भरकर केन्द्रीय कार्यालय में उक्त तिथि के पूर्व भिजवायें।

All India Marwari Federation

4B, Duckback House, 4th Floor, 41, Shakespeare Sarani, Kolkata – 700 017
Phone No.- (033) 4004 4089, Email: aimf1935@gmail.com
Website: www.marwarisammelan.com

Please Attach Two (2) Colour Photographs

MEMBERS' INFORMATION FORM FOR DIRECTORY

Full Name : _____

Father's / Husband's Name: _____

Date of Birth : _____ Date of Marriage : _____

Educational Qualification: _____ Occupation : _____

Spouse`s Name: _____ Blood Group : _____

Native Place : _____

Office Address : _____

_____

Pin Code : _____ State : _____

Phone No. : _____ Mobile No. : _____

Fax : _____ Email : _____

Residential Address : _____

_____

Pin Code : _____ State : _____

Phone No : _____

Type of Memebrship : Special Patron ☐ Patron ☐ Life ☐ Special ☐ General ☐

Province : _____ Branch : _____

Any Designation : _____

For Any Enquiry Contact Sammelan Office or Call/Email
Sri Om Prakash Agarwal – 9874677657 / 9432161074
(Chairman, Directory Sub-Committee - 2016-18)
Email : aimfdirectory@gmail.com

www.srei.com
Empowering Entrepreneurs to shape the future
Financing of equipment, new and old, across diverse sectors :
Infrastructure | Construction | Mining | Information Technology | Healthcare | Agriculture
SREI
BNP PARIBAS
SREI
Holistic Infrastructure Institution
Infrastructure Equipment Finance | Project Finance, Advisory and Development | Venture Capital |
Capital Market | Sahaj e-Village | QUIPPO – Equipment Bank | Insurance Broking

आज बिरज में होली रे रसिया

– शिव कुमार लोहिया

भारतीय संस्कृति का अनूठा त्यौहार है होली। ऋतुराज बसंत के आगमन पर योगियों एवं तपस्वियों तक की समाधि टूट जाती है, साधारण रसिकों की तो बात ही क्या है।

जोगिन आजु समाधि तजी मन, चंचल श्याम मो संत महंत को
ऐरी बधूकुल कानि संवारि लै, शासन है ऋतुराज बसंत को।

इस समय प्रकृति अपने चरम पर होती है। इस मनोहारी, मादक पर्व में सारे नर-नारियों का मन-मयूर नाच उठता है। बाग-बगीचे फूलों से भर जाते हैं। कवि के शब्दों में –

राग में बसंत, बाग बाग में बसंत फूल्यौ
लाग मैं बसंत, क्या बहार है बसंत की।

राधाकृष्ण को होली के त्यौहार से अलग नहीं कर सकते। ऐसा कहा जाता है कि बचपन में कृष्ण राधा से ईर्ष्या करते थे क्योंकि राधा गोरी थी एवं कृष्ण स्वयं साँवले थे। एक दिन उन्होंने यशोदा माता से शिकायत की कि उनके साथ अन्याय हुआ है। राधा को गोरा बना दिया जब कि उन्हें साँवला। रोते हुए अपने लला को यशोदा मैया ने यह बोल के ढाढ़स बँधाया कि राधा पर रंग डालकर उसे वह अपने जैसा बना सकता है। नटखट कान्हा को यह बात जच गई। उसने राधा पर रंग डालकर उसे साँवला बना दिया। पिचकारी से राधा एवं गोपियों पर रंग डालने की छवि जनसाधारण में प्रचलित हो गई। सम्भवतः आगे चलकर यही होली के त्यौहार में परिणित हो गया। होली के अवसर पर प्रेमी-प्रेमिकायें एक दूसरे पर रंग डालकर अपने प्यार का इजहार करते हैं। इस तरह राधा-कृष्ण के अमर प्रेम की गाथा का होली के त्यौहार के रूप में पालन होता है। होली पर अनेक गीत इस प्रकार से रचे गये हैं, जिनमें बाल रूप में भगवान श्रीकृष्ण के शामिल होने की कल्पना सहज भाव से मन में उभरती है। गोपियों के साथ श्रीकृष्ण के होली के अवसर पर रंग खेलने का उदाहरण सभी को रंग खेलने की प्रेरणा एवं उत्साह देता है। होली का एक आध्यात्मिक पक्ष भी है। वरिष्ठ भक्तगण सदैव स्वयं को कृष्ण के रंग में रँगने की आकांक्षा रखते हैं। इसी भावना को मीरा बाई ने अपने पद में सुंदरता से व्यक्त किया है –

श्याम पिया मोरी रंग दे चुनरिया
ऐसी रंग दे रंग नहि छूटे, धोबिया धोये चाहे सारी उमरिया
बिना रंगाये मैं घर नहीं जाऊँगी, बीत जाय चाहे सारी उमरिया।।

होली के अवसर पर ब्रज में धूम मच जाती है। राधा कृष्ण की होली का अपना अलग महत्व है। ब्रज की होली का वर्णन करते हुए राधा कृष्ण के नोक-झोंक का रचनाकारों ने अपने रचना में मनमोहक सुंदर वर्णन किया है।

आज बिरज में होली रे रसिया, होली रे रसिया,
बरजोरी रे रसिया।
उड़त गुलाल लाल भए बादर, केसर रंग में बोरी रे रसिया।
बाजत ताल मृदंग झांझ ढप, और मजीरन की जोरी रे रसिया
फेंक गुलाल हाथ पिचकारी, मारत भर-भर पिचकारी रे रसिया।

इत से आये कुंवरे कन्हैया, उतसों कुंवरि किसोरी रे रसिया।
नंदग्राम के जुरे हैं सखा सब, बरसाने की गोरी रे रसिया।
हिल मिल फाग परस्पर खेले, कहि कहि होरी होरी रे रसिया।।

रस की खान कहलाने वाले कवि रसखान ने भी फागलीला का अपनी सुंदर रचनाओं द्वारा अद्‌भुत वर्णन किया। एक की बानगी देखिये-

फागुन लाग्यो सखि जब तें, तब तें ब्रजमण्डल धूम मच्यौ है।
नारि नवेली बचैं नहिं एक बिसेख यहै सबै प्रेम अच्यौ है।।
साँझ सकारे वही रसखानि सुरंग गुलाल ले खेल रच्यौ है।
को सजनी निलजी न भई अब कौन भटू जिहिं मान बच्यौ है।।

एक गोपी अपनी सखि से फाल्गुन मास के जादू का वर्णन करते हुए कहती है कि जबसे फाल्गुन मास लगा है, तभी से ब्रजमण्डल में धूम मची हुई है। कोई भी स्त्री, नवेली वधू नहीं बची है जिसने प्रेम का विशेष प्रकार का रस न चखा हो। सुबह-शाम आनन्द मगन होकर श्रीकृष्ण रंग और गुलाल लेकर फाग खेलते रहते हैं। हे सखि इस माह में कौन सी सजनी है जिसने अपनी लज्जा और संकोच तथा मान नहीं त्यागा हो।

राधा बरसाने में रहती है, राधा से होली खेलने बरसाना जाते हैं। वहाँ पर किस तरह की होली खेली जा रही है, इसका विवरण निम्न पद में मिलता –

फाग खेलन बरसाने आए हैं, नटवर नन्दकिशोर।
घेर लईं सब गली रंगीली, छाय रही छबि छटा रंगीली।
जिन ढप-ढोल मृदंग बजाए हैं, बंशी की घनघोर।।
फाग खेलन बरसाने...।।
जुर-मिलि कैं सब सखियाँ आई! उमड़ि घटा अम्बर में छाई।
जिन अबीर-गुलाल उड़ाए हैं, मारत भरि-भरि झोर।।
फाग खेलन बरसाने...।।
लै रहे चोट ग्वाल ढालन पै, केसर-कीच मलें गालन पै।
जिन हरियल बाँस मँगाए हैं, चलन लगे चहुँ ओर।।
फाग खेलन बरसाने...।।
भई अबीर घोर अँधियारी, दीखत नाहिं नर अरु नारी।
जिन राधे सैन चलाए हैं, पकरे माखन चोर।।
फाग खेलन बरसाने....।।
जो लाला घर जानौ चाहौ, तो होरी कौ फगुआ लाओ।
जिन श्याम ने सखा बुलाए हैं, बाँटत भरि-भरि झोर।।
फाग खेलन बरसाने....।।
राधे जू के हा-हा खाओ, सब सखियन के घर पहुँचाओ।
जिन 'घासीराम' कथा गाए हैं, भयौ कविता कौ छोर।।
फाग खेलन बरसाने....।।

सूरदास ने भी अपने पदों में राधा कृष्ण की होली का अति सुंदर वर्णन किया है। बानगी देखिये–

हरि संग खेलति हैं सब फाग
इहिं मिस करति प्रगट गोपी, उर अंतर को अनुराग।
सारी पहिरी सुरंग, कसि कंचुकी, काजर दे दे नैन।
बनि बनि निकसी निकसी भई ठाढी सुनि माधो के बैन।
डफ, बांसुरी, रुंज अरु महुआरि, बाजत ताल मृदंग।
अति आनन्द मनोहर बानि गावत उठति तरंग।
एक कोध गोविन्द ग्वाल सब, एक कोध ब्रज नारि।
छांडि सकुच सब देतिं परस्पर, अपनी भाई गारि।।
मिलि दस पाँच अली चली कृष्नहिं गहि लावतिं अचकाई।
भरि अरगजा अबीर कनक घट, देतिं सीस तैं नाई।।

कृष्ण के साथ ग्वाल बाल, सखियाँ फाग खेल रहे हैं। रंगों के बहाने गोपियाँ अनुराग प्रकट कर रही हैं। सभी गोपियाँ सुन्दर साड़ी एवं चित्ताकर्षक चोली पहनकर, अपनी आँखों में काजल लगाकर बन-ठन कर कृष्ण की पुकार सुनकर अपने घरों से निकल पड़ीं और होली खेलने के लिए आ खड़ी हुई। डफ, बांसुरी, रंज, ढोल और मृदंग बजने लगे हैं। सभी आनन्दित होकर मधुर स्वरों में गा उठते हैं। राधा और ग्वाल बाल डटे हैं तो दूसरी ओर ब्रज गोपिया।

होली का पर्व लोकगीतों में छलकता है। गाँवों में, शहरों में फाल्गुन माह आते ही इन गीतों को गाकर सभी होली के रस में गोते लगाने लगते हैं। कृष्ण संग होली खेलने वाली बड़भागन ब्रज की गोपियों से सभी ईर्ष्या करते हैं। एक पद में वर्णन आता हैं कि एक दिन गोपियों ने मिलकर योजना के तहत श्रीकृष्ण को पकड़, उनका स्त्रीवेश बनाकर खूब खिल्ली उड़ाई–

छीन लई बनमाल मुरलिया, सिर मै चुनरी उठाई
बेंदी भाल नैन बिच काजर नथ वेसरी पहराई।
लला नई नारि बनाई, ब्रज में हरि होरी मचाई।

कृष्ण को गोपियों से छेड़छाड़ करने में बड़ा मजा आता है। गोपियाँ पिटवाने की धमकी देती हैं पर कृष्ण नहीं मानते।

फटि जाहै चुनरिया जिन तानो हमरी बात मोहन मानो
जो सुख पावै कंस और राजा, अरे बरसाने में है धानो।
एक बार तुम गम खाओ मोहन, अरे पैरे सुनहरी हम गहनों
मुसकँ बाँध तुमको पैड दे, जसुदाजी को है जैसे बहानो

एक गोपी कृष्ण के अचानक सामने हो जाती है। कृष्ण के हाथों में भरी हुई पिचकारी है। गोपी अनुनय विनय करती है कि उस पर रंग न डारे। तरह तरह के कारण बताती है –

कान्हा पिचकारी मत मार मेरे सास लडेगी रे
सास लडेगी रे मेरे घर ननद लड़ेगी रे।
सास डुकरिया मोरी बड़ी खोटी, गारी दे न देगी मोहे रोटी,

दोरानी जेठानी मेरी जनम की बेरन, सुबहा करेगी रे।
कान्हा पिचकारी मत मार...
जा जा झूठ पिया सों बोले, एक की चार चार की सोलह,
ननद बडी बदमास, पिया के कान भरेगी रे।
कान्हा पिचकारी मत मार...।।
कछु न बिगरे श्याम तिहारो, मोको होयगो देस निकारो,
ब्रज की नारी दे दे कर मेरी हँसी करेगी रे।
कान्हा पिचकारी मत मार...।।
हा हा खाउं पडू तेरे पैयां, डारो श्याम मती गलबैया,
घासीराम मोतिन की माला टूट पड़ेगी रे।
कान्हा पिचकारी मत मार....।।

कृष्ण के संग होली को भक्ति के रंग में आदिकालीन कवि विद्यापति से लेकर भक्तिकालीन सूरदास, रहीम, रसखान, जायसी, मीरा, कबीर आदि सभी ने रचना की है। मीरा ने अपने को कृष्ण के रंग में रंग जाने की बात कही है। इसका लौकिक एवं आध्यात्मिक पक्ष दोनों ही उभर कर आते हैं–

रंग भरी राग भरी रागसूं भरी री।
होली खेल्यां स्याम संग रंग सू भरी, री।
उड़त गुलाल लाल बादला रो रंग लाल।
पिचकाँ उड़ावाँ रंग रंग री झरी, री।।
चोवा-चन्दण अरगजा म्हा, केसर णो गागर भरी री।
मीरां दासी गिरधर नागर, चेरी चरण धरी री।।

इस पद में मीरा ने होली के पर्व पर अपने प्रियतम कृष्ण को अनुराग भरे रंगों की पिचकारियों से रंग दिया है। मीरां अपनी सखी को सम्बोधित करते हुए कहती हैं कि –

हे सखि मैंने अपने प्रियतम कृष्ण के साथ रंग से भरी, प्रेम के रंगों में सराबोर होली खेली। होली पर इतना गुलाल उड़ा जिसके कारण बादलों का रंग भी लाल हो गया। रंगों से भरी पिचकारियों से रंग रंग की धारायें बह चलीं। मीरा कहती हैं कि अपने प्रिय से होली खेलने के लिये मैं ने मटकी में चोवा, चन्दन, अरगजा, केसर आदि भरकर रखे हुये हैं। मीरा कहती हैं कि मैं तो उन्हीं गिरधर नागर की दासी हूँ और उन्हीं के चरणों में मेरा सर्वस्व समर्पित है। इस पद में होली का बहुत सजीव वर्णन किया गया है।

कृष्ण नटखट हैं। ब्रज में तरह-तरह की लीला करके सबों को परेशान करने में सिद्धहस्त है। सभी उनसे प्रेम करते हैं। फिर भी वे मौका देखते रहते हैं कि किस प्रकार उसे उसके किये की सजा दी जाय। हर बार वह बहाने बनाकर बच निकलता है। होली के अवसर पर जब वह होली खेलने निकलता है तो सभी ब्रजवासी उसको मजा चखाने के लिए तत्पर हो जाते हैं। देखिये इस पद की बानगी –

होरी खेलन आयो श्याम, आज याहि रंग में बोरो री।
रंग में बोरो री कन्हैया को, रंग में बोरो री।।
कोरे-कोरे कलश मँगाओ, यामे केशर घोरो री।
मुख ते केशर मलो, करो कारे ते गोरो री।।
लोक लाज-मरजाद सबै, फागन में तोरो री।
हाथ जोड़ जब करे विनती, तब याहे छोरो री।
हरे बाँसकी बाँसुरिया, याहे तोर मरोरो री।
चन्द्रसखी यों कहे आज बन बैठयो भोरो री।।

भारतीय संस्कृति की खासियत है कि होली जैसे त्यौहार पवित्रता, विशुद्धता एवं निश्छलता के प्रतीक है। इससे प्रेम का आनंद है, इनमें चुलाबुलापन है। इनमें मस्ती है। इनमें खुलापन है। पर सभी संयमित है। अश्लीलता या फूहड़पन का स्थान नहीं है। दुःख की बात है कि वैश्वीकरण एवं बदलते परिवेश के कारण हमारी प्राथमिकतायें बदल रही हैं। पहले बसंतपंचमी लगते ही होली का माहौल प्रारम्भ हो जाता था। नर-नारी इसकी मादकता के आगोश में जमे हुए राग-द्वेष, तनाव आदि को निकाल बाहर करते थे। आपसी रंजिश को भुलाकर प्रेम और भाईचारे का आदान-प्रदान करते थे। हम हमारी संस्कृति से और उसमें निहित विशेषताओं से दूर होते जा रहे हैं।

होली के सांसारिक पक्ष के साथ-साथ आध्यात्मिक पक्ष को अपनाए बिना होली के वास्तविक स्वरूप एवं उसमें निहित संदेश को हम नहीं समझ सकते। होली विशुद्ध प्रेम का त्यौहार है। इसमें उत्साह, अश्लीलता का कोई स्थान नहीं है। होली के अवसर पर बुरी तरह से मजाक करने एवं कीचड़, रासायनिक पदार्थों के उपयोग का प्रचलन के कारण लोग होली के नाम से विरक्त होने लगे।

होलीपर्व के पीछे तमाम धार्मिक मान्यताएँ, मिथक, परम्पराएँ और ऐतिहासिक घटनाएँ छिपी हुई है। सर्वोपरि, पर्व का उद्देश्य मानव कल्याण है। लोक संगीत, नृत्य, नाट्य, लोक कथाओं, किस्से-कहानियों और मुहावरों के द्वारा हम होली के पीछे संस्कारों एवं दिलचस्प पहलुओं की झलक पाते हैं। इस पर्व की विशुद्धता को अक्षुण्ण रखकर ही हम इसका पूरा आनन्द ले सकते हैं।

छत्तीसगढ़ प्रान्त के पुनर्गठन हेतु राष्ट्रीय पदाधिकारियों का छत्तीसगढ़ दौरा

छत्तीसगढ़ प्रान्त के पुनर्गठन, सदस्य, संगठन एवं शाखा विस्तार हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला के निर्देश पर एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा से मार्गदर्शन लेकर राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री संजय हरलालका,

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी एवं बतौर राष्ट्रीय प्रतिनिधि श्री गौरीशंकर अग्रवाल ने गत १८-१९ फरवरी को दो दिवसीय रायपुर दौरा किया। प्रथम दिन रायपुर के पूर्व मेयर तथा सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री संतोष अग्रवाल, पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष श्री रामानन्द अग्रवाल एवं श्री बी एल जैन के साथ केन्द्रीय पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ प्रान्त के पुनर्गठन हेतु श्री संतोष अग्रवाल के संयोजकत्व में ७ लोगों की तदर्थ कमेटी का पुनर्गठन हुआ। शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर दूसरे दिन सुबह समाज के स्थानीय लोगों के साथ बैठक हुई। इन बैठकों में सर्वश्री अमर बंसल, विजय गर्ग, सुनील लाठ, सुरेश कुमार अग्रवाल, सुरेश कुमार चौधरी, अरुण हरितवाल, पुरुषोत्तम सिंहानिया, घनश्याम अग्रवाल, सत्येन्द्र अग्रवाल, पूर्व प्रान्तीय महामंत्री घनश्याम पोद्दार, श्रीमती अनिता महलका, अनिता खंडेलवाल, शोभा जैन सहित अन्य शामिल हुए। समाज के स्थानीय लोगों में सम्मेलन के प्रति काफी उत्साह देखा गया। उन्होंने विस्तार से सम्मेलन के कार्यकलापों के बारे में जाना तथा अपनी जिज्ञासाओं पर खुलकर बात की। बैठक अत्यन्त सकारात्मक माहौल में आयोजित हुई और सार्थक रही।

बैठक में तय हुआ कि छत्तीसगढ़ में समाज के लोग मिलकर **'संगठित समाज, सशक्त आवाज'** के तहत 'सदस्य बनाओ' अभियान चलायेंगे तथा अगले माह की २५-२६ तारीख को राष्ट्रीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से तय प्रान्तीय अध्यक्ष तथा महामंत्री के नाम की घोषणा कर प्रान्त का पुनर्गठन किया जायेगा तथा आगामी दिनों में नई कमेटी सदस्य संख्या को बढाते हुए नई शाखाएँ खोलेगी। तत्पश्चात् राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा शीर्ष राष्ट्रीय पदाधिकारियों की उपलब्धता के अनुसार उन्हें आमंत्रित कर एक वृहद कार्यक्रम किया जायेगा। सदस्यता अभियान की शुरूआत भी हुई और श्री विजय गर्ग ने विशिष्ट संरक्षक सदस्य तथा घनश्याम अग्रवाल ने सम्मेलन की आजीवन सदस्यता ग्रहण की। अंत में श्री रामानन्द अग्रवाल ने धन्यवाद दिया। सदस्यता अभियान की अच्छी शुरूआत के साथ अपार संभावनाओं की लौ के बीच प्रान्त के आदरणीयों एवं सम्माननीय उर्जावान समाज के लोगों का जोश एवं सहयोग देखकर राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का आत्मविश्वास बढ़ा है जिसका फल आगामी दिनों में मिलने की पूरी संभावना है।

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

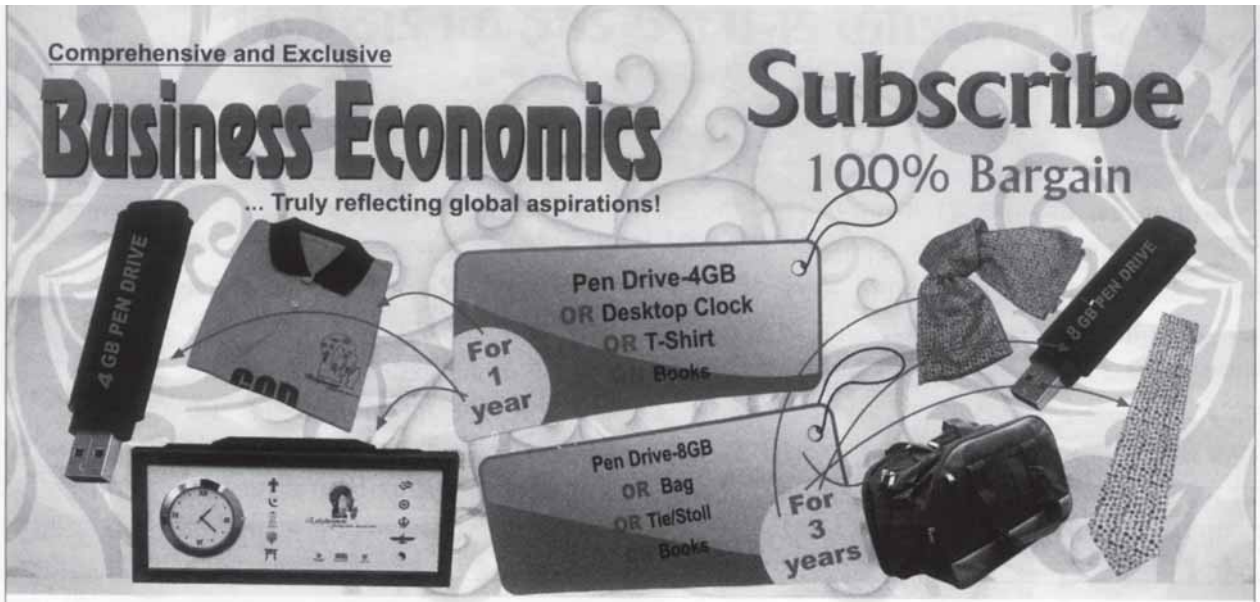

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

ANMOL®

The Right Bite

BISCUITS

Even before

"Good morning"

we are the first thing on

a million lips every day.

Enjoy fresh-baked goodness.

www.anmolbiscuits.com

L&K | SAATCHI & SAATCHI

CENTURYPLY®

CENTURYPLY® CENTURYLAMINATES® CENTURYVENEERS®

CENTURYPRELAM® CENTURYMDF® CENTURYDOORS™

zykron FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™ NEW AGE PANELS

SAINIK PLYWOOD HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**

E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

होली में उपाधियों का वितरण

नाम (सर्वश्री...)	उपाधि
सीताराम शर्मा	मल्टी डायमेंशनल
नंदलाल रुँगटा	मृदु मुस्कान
डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया	अध्यात्म की ओर
रामअवतार पोद्दार	संविधान
प्रह्लाद राय अगरवाला	नया दौर
संतोष सराफ	मेरी सुनो
सुरेन्द्र लाठ	शुभकामनाएँ
राज कुमार पुरोहित	राजनैतिक ऊहापोह
ओंकारमल अगरवाला	नई दिल्ली
कमल नोपानी	ऊँचे इरादे
अनिल कुमार जाजोदिया	एक्सक्लूसिव
शिव कुमार लोहिया	सबका साथ
कैलाशपति तोदी	हिसाब किताब
संजय कुमार हरलालका	फोर्थ इस्टेट
दामोदर प्रसाद बिदावतका	करके दिखाना है
दिनेश कुमार जैन	हाई प्रोफाइल
रतन लाल शाह	भाषा-संस्कृति
भानी राम सुरेका	यत्र तत्र सर्वत्र
नरेश चन्द्र विजयवर्गीय	दक्षिण का झंडा
रामपाल अट्टल	रेगुलर
निर्मल कुमार झुनझुनवाला	बढ़ते कदम
ओम प्रकाश टिबड़ेवाल	जेंटिलमैन
गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया	विकास करना है
बसंत कुमार मित्तल	युवा तुर्क
कमलेश कुमार नाहटा	नया चुनाव
जयप्रकाश शंकरलाल मुंधड़ाँ	महाराष्ट्र का मोर्चा
मधुसूदन सिकरिया	कर्मठ
प्रमोद तिवाड़ी	सुलझे विचार
बिजय कुमार डोकानियाँ	रिटायर्ड हर्ट

नाम (सर्वश्री...)	उपाधि
सत्यनारायण अग्रवाल	सीधी बात
राज कुमार मिश्रा	नया जोश
श्याम सुंदर अग्रवाल	इरादे तो नेक थे
जगदीश गोलपुरिया	मैं युवा मंच से हूँ
रंजीत कुमार जालान	नाट आउट
रंजीत कुमार टिबड़ेवाल	हरि का द्वार
श्रीमती मीना गुप्ता	महिला शक्ति
श्रीमती सुषमा अग्रवाल	हरफनमौला
रवि कुमार अग्रवाल	युवा सम्राट
अशोक कठारिया	यंग इडिया
आत्माराम सोंथलिया	नाट-आउट वैट्समैन
बाबूलाल धनानिया	हरि का यान
बनवारीलाल शर्मा (सोती)	यातायात
प्रह्लाद राय गोयनका	गंगा की कसम
हरिप्रसाद बुधिया	सोचनो पड़गो
नारायण प्रसाद डालमिया	दिलदार
डॉ. जुगल किशोर सराफ	ऊँची पहुँच
नंद किशोर अग्रवाल	चुटकी का खेल
विवेक गुप्त	दीदी का आशीर्वाद
ओम प्रकाश अग्रवाल	कोई भी काम
पवन कुमार जालान	शुभचिंतक
सज्जन भजनका	बेस्ट सीइओ
श्याम सुंदर अग्रवाल	सृजनकर्ता
श्याम सुंदर बेरीवाल	वृंदावन भाव
संतोष कुमार रुँगटा	अनुभवी
गोपाल अग्रवाल	मै साथ-साथ हूँ
अमित सरावगी	उँची उडान
दीनदयाल गुप्ता	आर्यव्रती
महावीर प्रसाद अग्रवाल	हमराही

नाम (सर्वश्री...)	उपाधि
रवि पोद्दार	बुनियादी
राधेश्याम गोयनका	टॉप-मोस्ट
दिनेश बजाज	इंतजार
ताऊ शेखावटी	समग्र
ओम लडिया	स्वयंसेवक
कुंजबिहारी अग्रवाल	राम-लक्ष्मण
संजय बुधिया	प्रगति की छाप
विश्वनाथ सेक्सरिया	समाज सेवा
कमल कुमार दुग्गड़	स्ट्रेट फारवर्ड
डॉ. बिट्ठल दास मुंधड़ाँ	शिक्षा वाचस्पति
भगवती प्रसाद जालान	मघई पान
गौरी शंकर अग्रवाल	जिम्मेदार
विनय सरावगी	नई दिशा
राज कुमार केड़िया	समय का अभाव
पवन कुमार सुरेका	मुझे कुछ कहना है
हरिकृष्ण चौधरी	कुछ नया सोंचो
ओमप्रकाश खण्डेलवाल	खिलाड़ी
रमेश कुमार बंग	कुछ करना है
बनवारीलाल मित्तल	सस्ता एवं सुंदर
ऋषि बागड़ी	युवा ब्रिगेड
अशोक कुमार तोदी	मारवाड़ी पगड़ी
राजेश कुमार अग्रवाल	उत्साही
श्रीगोपाल झुनझुनवाला	हमारी परिपाटी
राजेश गुप्ता	शौकीन
गोविन्द प्रसाद केजरीवाल	मेरा हिन्दुस्तान
विश्वनाथ भुवालका	साल्टलेक का राजा
ब्रह्मानंद अगरवाला	मिलनसार
भंवरलाल जैसनसरिया	साहित्य प्रेमी
सुरेश कुमार अग्रवाल	मोर्चा संभाल रखा है
मुरारी लाल खेतान	बड़ाबजार से बोल रहा हूँ
दिनेश कुमार जैन	ममता की कृपा
घनश्याम दास अग्रवाल	समाज सेवा
इंद्र चंद गुप्ता	स्ट्रांग फाउंडेशन

नाम (सर्वश्री...)	उपाधि
राजेन्द्र खण्डेलवाल	आलराउंडर
नंद गोपाल खेतान	हाईकोर्ट
राजेन्द्र कुमार बच्छावत	कुबेर जी
प्रमोद कुमार शाह	मुशायरा
धरम चंद अग्रवाल	नमो नमः
भागचंद पोद्दार	पुराना अनुभव
सुभाष मुरारका	मै हूँ ना
धरम चंद जैन (मोदी)	राम राम
रविन्द्र चमड़िया	इंटरनेट का जमाना
द्वारका प्रसाद गनेड़ीवाल	परिवार एवं समाज
राजेन्द्र प्रसाद पंसारी	कार्पोरेट
नंदलाल सिंघानिया	एवररेडी
पवन कुमार लिल्हा	ओल्ड इज गोल्ड
प्रेमचंद सुरेलिया	लगे रहो
राम कैलाश गोयनका	उदासीन
श्याम लाल डोकानिया	मुझे बोलने दो
द्वारिका प्रसाद डाबरीवाल	रियल इस्टेट
भगवान दास अग्रवाल	जग का भला
सांवर लाल शर्मा	जमशेदपुर मेल
जगदीश प्रसाद पोद्दार	मौज मस्ती
सुरेश कुमार जालान	खयाल आपका
सम्पतमल बच्छावत	हितचिंतक
दिनेश कुमार सेक्सरिया	कायाकल्प
राज कुमार गुप्ता	पारदर्शी
अनिल कुमार पोद्दार	सर्वम् सुखम्
रतन लाल अग्रवाल	खरी सोच
निकुंज बिदावतका	उज्ज्वल भविष्य
बिजय कुमार गुजरवासिया	दो नौका मे पांव
वरुण बियानी	हितैषी
देव किशान मोहता	फेसवुक फ्रेंड
जोधराज लड्ढा	पूर्व अध्यक्ष
रमेश कुमार बुवना	अभी तो दिल जवाँ है
संजय गोयनका	राइजिंग स्टार

AT
ANU®
SAREES

With Best Compliments from :

Ganpati Industrial Pvt. Ltd.

(Re-Roller & Manufacturer of Railway Track Materials)

Regd. Office :
'Nicco House', 3rd Floor
2, Hare Street
Kolkata - 700 001
Tel : 033 2248 4772/0675/0695
Fax : 033 2248 1877
E-mail: sales@jekay.com

Website: www.jekay.com

Factory :
Plot No. 65 & 66
Urla Industrial Area, Sector-C
Raipur-493 221 (C.G.)
Tel: 0771 4212 511/512/514
Fax No. 0771 4212 555

With Best Compliments from:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head- office:
1 Gibson Lane, 2nd Floor
Suite- 211, Kolkata- 700069
Phone : 2210-3480,2210-3485
Fax: 2231-9221
E-mail : info@roadcargo.in

Branches & Associates :
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam, Vijaywada,
Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin, Gaziabad (U.P. Border), Indore

IISD

A Gateway to Careers

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically"
— Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100%

Quality Higher Education at lowest prices
– a corporate social responsibility

2 Yrs. **PGDM** ₹ 1,00,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

2 Yrs. **#MBA + PGDM** ₹ 1,70,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

3 Yrs. **#BBA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA+ PGPM** ₹ 85,000

3 Yrs. **#BCA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA (Hospital Mgmnt.)** ₹ 95,000

DUAL SPECIALISATION AVAILABLE

ELIGIBILITY & SELECTION FOR MBA/PGDM

- BACHELOR'S DEGREE IN ANY DISCIPLINE WITH 50% SCORE
- APPEARING FOR FINAL DEGREE EXAMINATION
- GROUP DISCUSSION
- PERSONAL INTERVIEW
- APTITUDE TEST
- APPLICANTS WITH CAT / MAT / XAT ARE PREFERRED

Assistance for placement

- Eminent Faculty
- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- Hostel
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Complimentary Courses

- Spoken English
- Foreign Languages
- Bengali & Sanskrit
- ERP Training (Microsoft Certified)
- Company Secretaryship / Chartered Accountancy / Administrative Services
- Entrepreneurship Development
- Theology

Other Courses :

- Company Secretaryship
- Advocateship
- E-Tuition
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Retail Management
- Preparatory course for Entrance Examination of MD, MS, MRCP (Medicine) – Part-I and DNB – Part-I
- Language Courses : Functional English, Spoken English, Spanish, Italian, Russian, German, Chinese, Japanese, Arabic, Burmese, Persian, French, Korean, Sanskrit, Bengali and Hindi
- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- NDA / CDS – UPSC Examinations and SSB Interview
- Certificate Course on Computer Applications
- Advanced Diploma in Financial Management
- Vocational & Technical Training
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance
- Certificate course on theology

Recognised by UGC, Ministry of HRD, Govt. of India, Approved by Joint Committee of UGC, AICTE & DEC

INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in
Website : www.iisdedu.in

9, Syed Amir Ali Avenue, 5th Floor
Kolkata- 700017, Ph : (033) 2290 0338

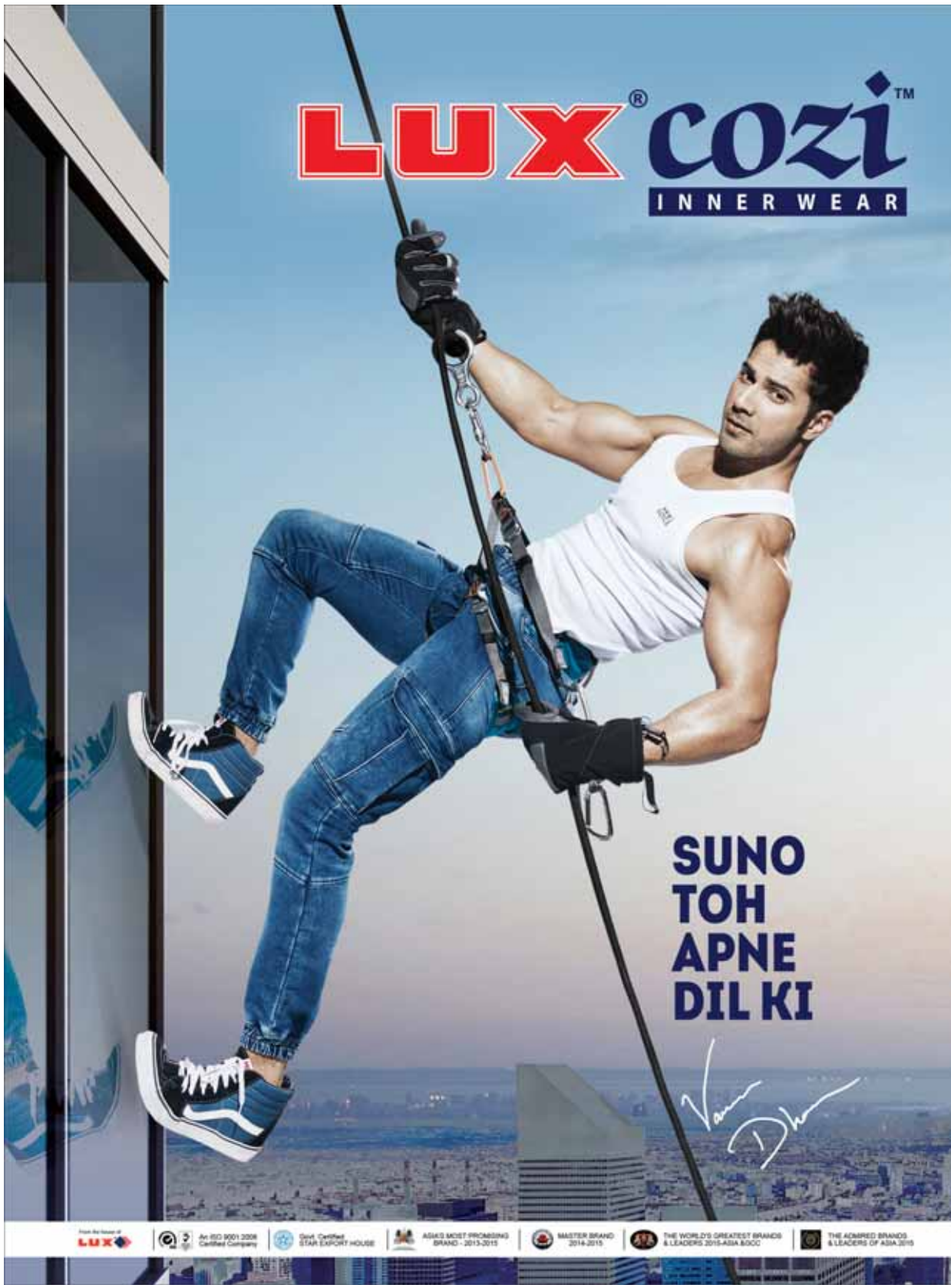
LUX®
cozi™
INNER WEAR
SUNO
TOH
APNE
DIL KI
From the house of LUX
An ISO 9001:2008 Certified Company
Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE
ASIA'S MOST PROMISING BRAND - 2013-2015
MASTER BRAND 2014-2015
THE WORLD'S GREATEST BRANDS & LEADERS 2015-ASIA &GCC
THE ADMIRED BRANDS & LEADERS OF ASIA 2015

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS
Date of Publication - 24th March 2017
RNI Regd. No. 2866/68

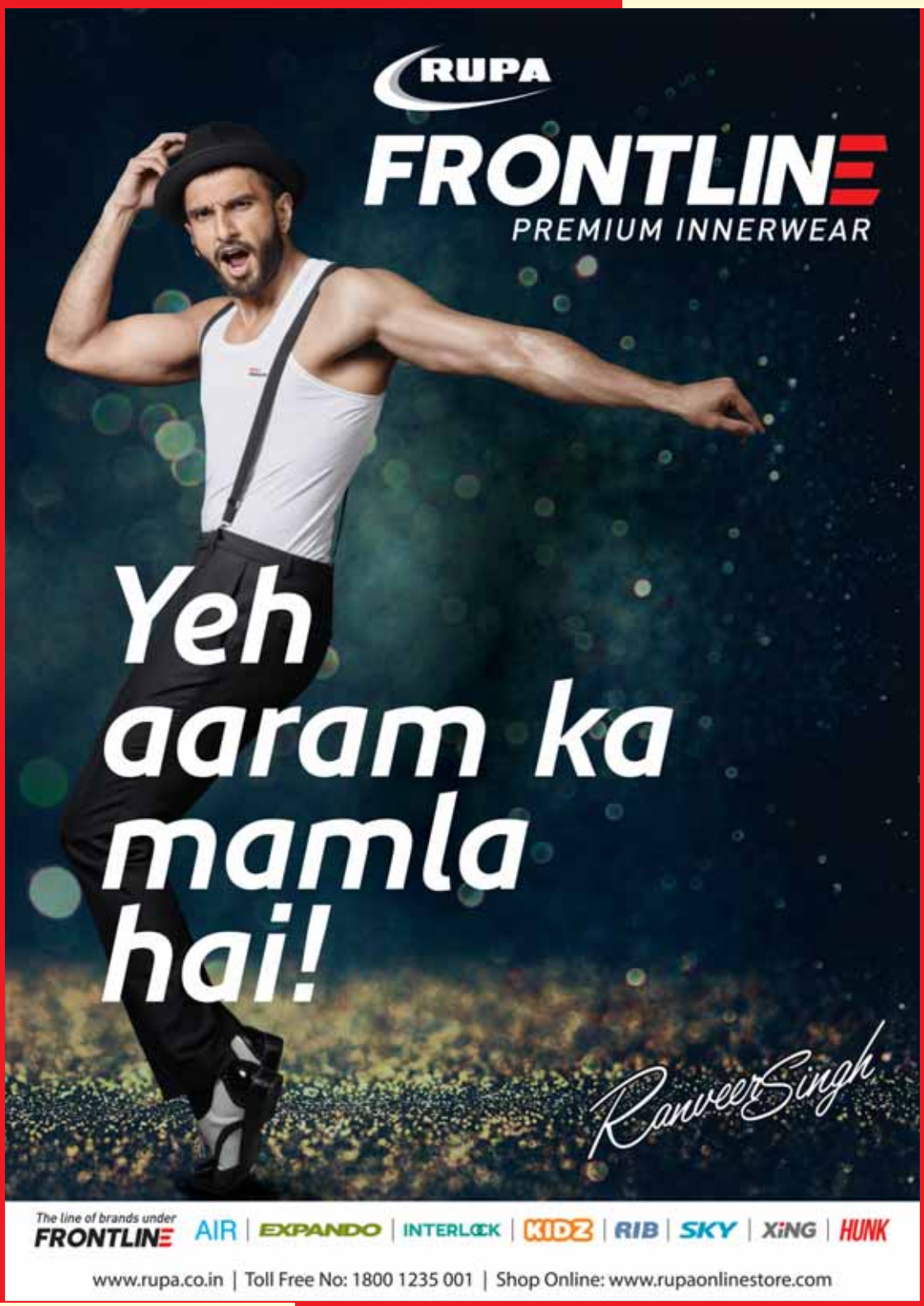

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com